परिशिष्ट 10 (मसीही चरित्र)
जीभ के द्वारा कानाफूसी व संयम

1. कानाफूसी व निन्दा

खोजें व चर्चा करें। बाइबल चुगली व निन्दा करने के बारे में क्या कहती है?
पढ़ें।

- नीतिवचन 10:18 (निन्दा फैलाने वाला मूर्ख होता है)
- नीतिवचन 11:13 (लुतराई करने वाला भेद प्रगट करता है)
- नीतिवचन 16:28 (कानाफूसी करने वाला परममित्रों में भी फूट करा देता है)
- नीतिवचन 17:9 (कानाफूसी करने वाला परममित्रों में भी फूट करा देता है)
- नीतिवचन 26:20 (कानाफूसी झगड़ा उत्पन्न करती है।)
- याकूब 3:1–12 (जीभ अधर्म का एक लोक है और सारी देह पर कलंक लगाती है।)
- 1 यूहन्ना 2:9–11 (जो अपने भाई से बैर रखता है वह अभी भी अन्धकार में रहता है।)

2. नुकसान।

खोजें व चर्चा करें। बाइबल चुगली व निन्दा करने के बारे में क्या कहती है?
पढ़ें।

नीतिवचन 25:18 (कानाफूसी का अर्थ किसी का पीछे से तलवार या तीर से मारने के समान होता है)
नीतिवचन 26:28 (झूठी बातों से घायल करने वाला उससे बैर रखता है)
मत्ती 5:21–22 (क्रोध करना हत्या के समान है)

3.न्याय।

खोजें व चर्चा करें। बाइबल चुगली व निन्दा करने के बारे में क्या कहती है?
पढ़ें।

- नीतिवचन 6:16–19 (परमेश्वर कानाफूसी करने वाले, झूठे साक्षी और झगड़ा उत्पन्न करने वाले मनुष्य से घृणा करता है)
- नीतिवचन 19:5,9 (झूठा साक्षी दण्ड पायेगा व अन्त में नाश किया जाएगा।)
- नीतिवचन प्रेरितों 5:1–11 (हनन्याह और सफीरा ने परमेश्वर से झूठ बोला और दोनो मर गये)

4. बुद्धि।

खोजें व चर्चा करें। बाइबल चुगली व निन्दा करने के बारे में क्या कहती है?
पढ़ें।

- नीतिवचन 8:7–8 (बुद्धिमान व्यक्ति कभी झूठ नहीं बोलता)
- नीतिवचन 13:3 (बुद्धिमान व्यक्ति अपने मुँह की चौकसी करता व अपने प्राण की रक्षा करता है)
- नीतिवचन 14:15 (बुद्धिमान व्यक्ति हर सुनी हुई बात पर विश्वास नहीं करता)
- नीतिवचन 18:13 (बुद्धिमान व्यक्ति पहले बात को सुनकर फिर जवाब देता है)
- नीतिवचन 18:17 (बुद्धिमान व्यक्ति हमेशा दोनों पक्षों की जाँच करता है)
- नीतिवचन 20: 19 (बुद्धिमान व्यक्ति बक बक करने वाले लोगों से दूर रहता है)
- नीतिवचन 22:24 (बुद्धिमान व्यक्ति क्रोधी व्यक्ति से मित्रता नहीं करता)
- मत्ती 5:37 (बुद्धिमान व्यक्ति सदैव ईमानदार, पारदर्शी व सच्चा होता है)

5. जीभ पर संयम बरतने के सिद्धान्त

पढें मत्ती 5:21–26 व मत्ती 12:33–37।
खोजें व चर्चा करें। बाइबल के सिद्धान्त क्या हैं (सिद्धान्त जो हमेशा से सत्य हैं)?

मसीही का हृदय उसकी बातों से पता चल जाता है?
एक पेड़ उसके फलों से पहिचाना जाता है। उसी प्रकार एक मनुष्य उसके मुँह से निकली हुई बातों से पहिचाना जाता है। कानाफूसी करने वाली बातें, निन्दा, पीठ पीछे चुगली या गुस्से में की जाने वाली बातें मनुष्य के हृदय की दशा को बयान कर देती हैं।

मसीहियों को अन्त में अपने मुँह से बोली गयी हर एक बेकार बात का हिसाब देना पड़ेगा।

यीशु मसीह, मसीही व उसके भाई बहनों के बीच में मौजूद होता है।

शिष्यता की पुकार यीशु मसीह को शिष्यों और उसके भाई बहनों के बीच लाकर खड़ा कर देती है। यीशु मसीह हमारे भाई बहनों से कभी अलग नहीं होगा। हर एक अपशब्द (कानाफूसी, निन्दा या गुस्से में कही गयी बात), जिसके द्वारा मण्डली या लोगों के बीच में भाईयों या बहनों का अपमान होता है या जिसके कारण भाई या बहन के मन में मण्डली के विरूद्ध दूरी या बैरभाव उत्पन्न होता है, हमारी आराधना व बलिदान को परमेश्वर के सामने ग्रहणयोग्य ठहरने में रूकावट डालता है। मसीही आराधना को भाई व बहनों की सेवा से अलग नहीं किया जा सकता (1यूहन्ना 2:9–11)। यीशु मसीह ने हमारे भाई बहनों की देखरेख को हमारे हाथों में सौंपा है। क्रूस पर अपनी जान देने वाले भाई अर्थात यीशु मसीह तक पहुँचने के लिए हमें ज़मीनी भाई बहनों से रिश्ता जोड़ना बहुत ज़रूरी है। यह परमेश्वर का अनुग्रह है कि वह हमें न्याय के दिन दण्डित करने की बजाय भाई बहनों से मेल मिलाप करने का अवसर प्रदान करता है।